Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 11 August 2024

Dainik Jagran
Page - 06

पार्टटाइम शोध प्रवेश 22 से, जारी हुआ प्रवेश कार्यक्रम

संबंधित विभाग में संपन्न होगी विषयों की प्रवेश प्रक्रिया, गोविवि की वेबसाइट पर जारी की गई प्रवेश की सूचना

जनरल संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रोफेसर प्रवीण के निर्देशन में शोध प्रवेश का कौशलपूर्ण संपन्न कर लिया, जो विश्वविद्यालय की पार्ट टाइम शोध व्यवस्था का लाभ उठाना चाहते हैं और शोध को लेकर अपनी प्रतिभा दिखाना चाहते हैं। प्रवेश प्रकोपक ने पार्ट टाइम शोध का प्रवेश की तिथि के साथ-साथ उसका कार्यक्रम भी जारी कर दिया।

विश्वविद्यालय के शोध एवं प्रवेश प्रकोपक के दिनेश यादव की ओर से जारी की गई सूचना के मुताबिक आवेदी 22, 23 एवं 24 अगस्त को इन अभ्यर्थियों के लिए संबंधित विभागों में प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। इसे लेकर विस्तृत सूचना एवं कार्यक्रम विश्वविद्यालय के पोर्टल www.ddugudamission.in पर उपलब्ध कर दी गई है। अभ्यर्थी अपना शोध प्रस्ताव सम्बन्धित विभाग में प्रत्यक्ष उपस्थित होकर अधिकतम 1000 शब्दों में लिखेंगे। इसके लिए 90 मिनट दिया जाएगा। संवाद

पार्टटाइम प्रवेश के लिए अंक निर्धारण

शोध प्रस्ताव की रूपरेखा (अधिकतम 1000 शब्दों में) : 70 अंक
कार्य अनुभव के लिए : 10 अंक
शैक्षणिक योग्यता के लिए : 10 अंक
मौखिक परीक्षा : 10 अंक

इस प्रकार है तिथि व विषयवार प्रवेश कार्यक्रम

22 अगस्त : रसा अध्ययन, बायोटेक्नोलजी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, गृह विज्ञान, गणित, राजिविज्ञी, आर्थिक विज्ञान, प्राचीन इतिहास, भूगोल, मध्यकालीन इतिहास, दार्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, मंच कला, अंग्रेजी, उर्दू, अर्थशास्त्र, विधि एवं शारीरिक शिक्षा।

23 अगस्त : भौतिकी विज्ञान

23 व 24 अगस्त : हिन्दी, राजनीति विज्ञान, वाणिज्य व शिक्षाशास्त्र।

पत्रम, डाटा एनालिसिस मेथड और डिसमिनेशन आफ रिसर्च फाइन्डिग्स जैसे बिन्दुओं के अन्तर्गत विवरण लिखना होगा। इस प्रदान में विश्वविद्यालय के शोध और शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग, जो उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में उनके योगदान के आधार पर संस्थानों को मान्यता देती है, ने गोरखपुर विश्वविद्यालय को शीर्ष संस्थानों में प्रमुखता से रखा है। विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 103वें और विश्वविद्यालयों में 47वें स्थान पर है। विशेष रूप से, भौतिक विज्ञान में गोरखपुर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में 57वें और विश्वविद्यालयों में 28वें स्थान पर है। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 118वें और विश्वविद्यालयों में 92वें स्थान पर है। प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 95वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।

गौरतलब है की राज्य विश्वविद्यालयों में केवल दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय अपना स्थान बनाने में सफल हुए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 238वें और विश्वविद्यालयों में 172वें स्थान पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय रसायन विज्ञान रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है और भौतिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान पत्रिका प्रकाशनों में निचले स्थान पर है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोविवि विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल है। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस आफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटीज लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन है। इसके अतिरिक्त रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा की, ये उपलब्धियाँ हमारे शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के असाधारण कार्य का प्रमाण हैं। हम इन मान्यताओं से सम्मानित हैं और अपने शैक्षणिक और शोध प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के प्रति उनके अटूट समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

Amar Ujala
Page - 08

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में यूपी के राज्य विश्वविद्यालयों में डीडीयू शीर्ष पर

देश के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 103वें और विश्वविद्यालयों में 47वें स्थान पर

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में उनके योगदान के आधार पर उनकी रैंकिंग निर्धारित करती है। इस रैंकिंग में राज्य विश्वविद्यालय में केवल गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय अपना स्थान बनाने में सफल हुए हैं।

इस बार की रैंकिंग में देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में डीडीयू को 103वां और विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान प्राप्त हुआ है। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में 57वें और विश्वविद्यालयों में 28वें स्थान पर है।

रसायन विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 118वें और विश्वविद्यालयों में 92वें स्थान पर है। प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों के लिए डीडीयू सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 95वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।

राज्य विश्वविद्यालयों में केवल गोरखपुर विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपना स्थान बनाने में सफलता हासिल की है। लखनऊ विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 238वें और विश्वविद्यालयों में 172वें स्थान पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय रसायन विज्ञान रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है और भौतिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान पत्रिका प्रकाशनों में निचले स्थान पर है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोविवि विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल हैं। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस आफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटीज लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन हैं। इसके अतिरिक्त रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

क्या है नेचर इंडेक्स

नेचर इंडेक्स 82 उच्च गुणवत्ता वाले विज्ञान पत्रिकाओं के स्थानों तथा ये वर्धमित समूह में प्रकाशित शोध लेखों से एकत्रित लेखक संबद्धता जानकारी का एक डेटाबेस है। डेटाबेस नेचर रिसर्च द्वारा संकलित किया गया है। नेचर डॉटकम सस्थानान, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाले शोध आउटपुट और सहयोग का सम्पन्न कार्यालय समय इंडेक्स प्रदान करता है। इंडेक्स में कुल 19 राज्य विश्वविद्यालय हैं जिनमें से गोरखपुर और लखनऊ विश्वविद्यालय ये दो इसमें जगह बनाई हैं।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोरखपुर विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल हैं। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटी: लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन हैं। इसके अतिरिक्त, रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

Hindustan
Page - 06

भारत के संस्थानों में 103 जबकि विश्वविद्यालयों में मिली 47वीं रैंक

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में डीडीयू, यूपी के विश्वविद्यालयों में पहला स्थान

उपलब्धि

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में डीडीयू को स्थान दिलाने में उपलब्धि प्राप्त की है। नेचर इंडेक्स जर्नल्स देश के विश्वविद्यालयों के शीर्ष 47वां स्थान दिलाने में उत्तर प्रदेश के किसी भी राज्य विश्वविद्यालयों को इसमें जगह मिली है। इसमें डीडीयू पहले और लखनऊ यूनिवर्सिटी (23वीं स्थान) शामिल है।

प्रतिष्ठित जर्नल नेचर प्राकृतिक विज्ञान और रिसर्चिंग विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग जारी करता है। नेचर और उसके सहयोगी जुटा 82 जर्नल्स में विश्व में रीसर्च की गुणवत्ता के आधार पर यह रैंकिंग दी गई है। इसमें डीडीयू के रिसर्चकर्ता सहयोग के आधार पर यह रैंकिंग दी गई है। इसमें डीडीयू के रिसर्चकर्ता सहयोग के आधार पर यह रैंकिंग दी गई है। इसमें डीडीयू के रिसर्चकर्ता सहयोग के आधार पर यह रैंकिंग दी गई है।

किस वर्ष किसने पेटेंट फाइल

साल	संख्या
2020-21	01
2021-22	01
2022-23	09
2023-24	02

- **दुनिया के सभी डीडीएन में 12वां है नेचर इंडेक्स रैंकिंग**
- **विभिन्न नवाचार और पेटेन्ट्स में अव्वल स्थान दिलाने के आधार पर रैंकिंग**

के विभिन्नता पहल विभाग को देश भर के संस्थानों में 57वां और विश्वविद्यालयों में 28वां स्थान मिला है। इसी तरह रसायन विज्ञान विभाग को देश भर के संस्थानों में 118वां और विश्वविद्यालयों के बीच 92वां स्थान मिला है। प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों के लिए डीडीयू सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 95वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।

राज्य विश्वविद्यालयों में केवल गोरखपुर विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपना स्थान बनाने में सफलता हासिल की है। लखनऊ विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 238वें और विश्वविद्यालयों में 172वें स्थान पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय रसायन विज्ञान रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है और भौतिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान पत्रिका प्रकाशनों में निचले स्थान पर है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोविवि विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल हैं। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटी: लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन हैं। इसके अतिरिक्त, रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

बातचीत

रिसर्च यूनिवर्सिटी बनने की ओर अग्रसर है डीडीयू : वीसी

- **सवाल** : आपके कार्यकाल का एक साल होने वाला है। क्या मुलीमिंग और उपलब्धियां रहीं?
- **जवाब** : समय में संघर्ष, चाहूं चौतिज और परिणाम का जश्न, यह सही मुहिमी रहे। एक साल में कई कार्य किए जा चुके हैं। सर्वप्रथम हम ने छात्रों को चाहों के जरूरत मोक्ष किलेंगे, उसके परिणाम हम सभी। दूसरा पहला पीएचडी रिसेर्च में 22वां स्थान, यूनिवर्सी के बेस्टेन्ट। विश्वविद्यालय का दर्जा, नेचर इंडेक्स रैंकिंग में दुनिया का स्थान। रैंकिंग उच्च की ओर जाना है। रिसर्च यूनिवर्सिटी बनने की दिशा में अग्रसर है।
- **सवाल** : छात्रावास की कमी की चर्चाएं रहीं तो?
- **जवाब** : छात्रावास की कमी है। लोकेन किया दिया है। हम दीन दिवस रिसे के बाद ही हमें। एक छात्रावास और बनाने में जी कोई कमीनी है। स्थानीय केन्द्र है। हम किस दिशा में जाकर है। जो किस दिशा में जाकर है। जो हमें मिलेगा। हमारे पास एक एमिटी है। हम अपना शोध प्रस्ताव सम्बन्धित विभाग में प्रत्यक्ष उपस्थित होकर अधिकतम 1000 शब्दों में लिखेंगे। इसके लिए उन्हें 90 मिनट का समय दिया जाएगा। इस प्रस्ताव में उसे शोध उद्देश्य, रिसर्च डिजाइन, डाटा कलेक्शन प्लान, डाटा एनालिसिस मेथड और डिसेमिनेशन ऑफ रिसर्च फाइन्डिंग्स जैसे बिन्दुओं के अन्तर्गत विवरण लिखना होगा। कार्य अनुभव के लिए उन्हें एक अंक प्रति वर्ष के आधार पर अधिकतम 10 अंक देय होगा।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

Rashtriya Sahara
Page - 07

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में लगाई छलांग

- उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों में हासिल किया शीर्ष स्थान

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित नेचर इंडेक्स रैंकिंग में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में सबसे ऊंचा स्थान प्राप्त किया है। यह मान्यता उच्च गुणवत्ता वाले शोध और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नैक द्वारा ए प्लस, प्लस ग्रेड मान्यता प्राप्त करने के साथ साथ विश्वविद्यालय ने क्यूएस एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग और कई अन्य वैश्विक रैंकिंग में भी उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त गोरखपुर विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से श्रेणी 1 का दर्जा प्राप्त है, जो शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए इसके निरंतर प्रयास को दर्शाता है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व और कुलाधिपति और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में गोरखपुर विश्वविद्यालय को हाल ही में पीएम ऊषा योजना के तहत मेरू (बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय) के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। इस फंडिंग से विश्वविद्यालय के शोध और शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग, जो उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में उनके योगदान के आधार पर संस्थानों को मान्यता देती है, ने गोरखपुर विश्वविद्यालय को शीर्ष संस्थानों में प्रमुखता से रखा है। विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 103वें और विश्वविद्यालयों में 47वें स्थान पर है। विशेष रूप से, भौतिक विज्ञान में गोरखपुर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में 57वें और विश्वविद्यालयों में 28वें स्थान पर है। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 118वें और विश्वविद्यालयों में 92वें स्थान पर है। प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 95वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।

गौरतलब है की राज्य विश्वविद्यालयों में केवल दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय अपना स्थान बनाने में सफल हुए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 238वें और विश्वविद्यालयों में 172वें स्थान पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय रसायन विज्ञान रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है और भौतिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान पत्रिका प्रकाशनों में निचले स्थान पर है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोविवि विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल हैं। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटी: लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन हैं। इसके अतिरिक्त, रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

शहीद स्मारक के पास चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से रविवार को विश्वविद्यालय के मजीठिया भवन स्थित चौरीचौरा शहीद स्मारक के पास स्वच्छता अभियान चलाया गया। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने शहीदों को याद करते हुए स्वयंसेवकों को ''काकोरी ट्रेन एक्शन'' के बारे में जानकारी दी। संवाद

Amar Ujala Select
Page - 04

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में यूपी के राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष पर डीडीयू

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में लगाई छलांग

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में उनके योगदान के आधार पर संस्थानों को मान्यता देती है। डीडीयू भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 103वें और विश्वविद्यालयों में 47वें स्थान पर है। विशेष रूप से, भौतिक विज्ञान में गोरखपुर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में 57वें और विश्वविद्यालयों में 28वें स्थान पर है।

रसायन विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 118वें और विश्वविद्यालयों में 92वें स्थान पर है। प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों के लिए डीडीयू सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 95वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।

राज्य विश्वविद्यालयों में केवल गोरखपुर विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपना स्थान बनाने में सफलता हासिल की है। लखनऊ विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 238वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।

क्या है नेचर इंडेक्स

नेचर इंडेक्स 82 उच्च गुणवत्ता वाले विज्ञान पत्रिकाओं के स्थानों तथा ये वर्धमित समूह में प्रकाशित शोध लेखों से एकत्रित लेखक संबद्धता जानकारी का एक डेटाबेस है। डेटाबेस नेचर रिसर्च द्वारा संकलित किया गया है। नेचर डॉटकम सस्थानान, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाले शोध आउटपुट और सहयोग का सम्पन्न कार्यालय समय इंडेक्स प्रदान करता है। इंडेक्स में कुल 19 राज्य विश्वविद्यालय हैं जिनमें से गोरखपुर और लखनऊ विश्वविद्यालय ये दो इसमें जगह बनाई हैं।

> यह उपलब्धि हमारे शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के असाधारण कार्य का प्रमाण है। हम इन मान्यताओं से सम्मानित हैं और अपने शैक्षणिक व शोध प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
>
> - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोरखपुर विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल हैं। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटी: लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन हैं। इसके अतिरिक्त, रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

Aaj

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोविवि को मिला विशिष्ट स्थान

गोरखपुर, ए. अगस्त। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित नेचर इंडेक्स रैंकिंग में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल की है।

- गोरखपुर विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में सबसे ऊंचा स्थान प्राप्त किया है तथा मान्यता उच्च गुणवत्ता वाले शोध और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसे यूजीसी से श्रेणी 1 का दर्जा प्राप्त है।
- कुलपति प्रो. पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व और कुलाधिपति और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में गोरखपुर विश्वविद्यालय को हाल ही में पीएम ऊषा योजना के तहत मेरू (बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय) के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। इस फंडिंग से विश्वविद्यालय के शोध और शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।
- नेचर इंडेक्स रैंकिंग, जो उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में उनके योगदान के आधार पर संस्थानों को मान्यता देती है, ने गोरखपुर विश्वविद्यालय को शीर्ष संस्थानों में प्रमुखता से रखा है। विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 103वें और विश्वविद्यालयों में 47वें स्थान पर है।
- विशेष रूप से, भौतिक विज्ञान में गोरखपुर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में 57वें और विश्वविद्यालयों में 28वें स्थान पर है। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 118वें और विश्वविद्यालयों में 92वें स्थान पर है। प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 95वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।
- गौरतलब है की राज्य विश्वविद्यालयों में केवल दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय अपना स्थान बनाने में सफल हुए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 238वें और विश्वविद्यालयों में 172वें स्थान पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय रसायन विज्ञान रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है और भौतिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान पत्रिका प्रकाशनों में निचले स्थान पर है।
- नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोविवि विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल हैं। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटी: लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन हैं। इसके अतिरिक्त, रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

Inext Page -04

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में डीडीयू अव्वल

GORAKHPUR (10 August): नेचर इंडेक्स रैंकिंग में दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है. विश्वविद्यालय को प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय में सबसे ऊंची रैंक मिली है. नेचर इंडेक्स रैंकिंग उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में उच्च शिक्षण संस्थानों को मिले स्थान के आधार पर उनकी रैंकिंग निर्धारित करती है. इस रैंकिंग में राज्य विश्वविद्यालय में केवल गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय अपना स्थान बनाने में सफल हुए हैं.

इस बार की रैंकिंग में देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में डीडीयू को 103वां और विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान प्राप्त हुआ है. भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में 57वें और विश्वविद्यालयों में 28वें स्थान पर है.

Swatantra Chetna
Page - 04, 06

डीडीयू में पार्टटाइम रिसर्च एग्जाम 22 से

GORAKHPUR (10 August): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी प्रशासन के एडमिशन सेल ने शोध के इच्छुक उन लोगों का कौतूहल शांत कर दिया, जो यूनिवर्सिटी की पार्ट टाइम शोध व्यवस्था का लाभ उठाना चाहते हैं और शोध को लेकर अपनी प्रतिभा दिखाना चाहते हैं. एडमिशन सेल ने पार्ट टाइम शोध का प्रवेश की तिथि के साथ-साथ उसका कार्यक्रम भी जारी कर दिया. यूनिवर्सिटी के रिसर्च व एडमिशन सेल के निदेशक प्रो. दिनेश यादव की ओर से जारी की गई सूचना के मुताबिक आगामी 22, 23 एवं 24 अगस्त को इन अभ्यर्थियों के लिए संबंधित विभागों में प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी. इसे लेकर विस्तृत सूचना एवं कार्यक्रम यूनिवर्सिटी के प्रवेश पोर्टल www.ddugudamission.in पर उपलब्ध करा दी गई है. सूचना के अनुसार अभ्यर्थी अपना शोध प्रस्ताव सम्बन्धित विभाग में प्रत्यक्ष उपस्थित होकर अधिकतम 1000 शब्दों में लिखेंगे. इसके लिए उसे 90 मिनट का समय दिया जाएगा. इस प्रस्ताव में उन्हें शोध उद्देश्य, रिसर्च डिजाइन, डाटा कलेक्शन प्लान, डाटा एनालिसिस मेथड और डिसेमिनेशन आफ रिसर्च फाइन्डिग्स जैसे बिन्दुओं के अन्तर्गत विवरण लिखना होगा. कार्य अनुभव के लिए उन्हें एक अंक प्रति वर्ष के आधार पर अधिकतम 10 अंक देय होगा.

अंक निर्धारण

शोध प्रस्ताव की रूपरेखा (अधिकतम 1000 शब्दों में) : 70 अंक
कार्य अनुभव के लिए : 10 अंक
शैक्षणिक योग्यता के लिए: 10 अंक
मौखिक परीक्षा: 10 अंक

डीडीयू ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग में लगाई छलांग,हासिल किया शीर्ष स्थान

- पीएम उषा योजना के तहत पहले ही विश्वविद्यालय को मिल चुका है 100 करोड़ रुपए का सहयोग राशि
- विश्वविद्यालय के शोध और शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित नेचर इंडेक्स रैंकिंग में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में सबसे ऊंचा स्थान प्राप्त किया है।

यह मान्यता उच्च गुणवत्ता वाले शोध और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग, जो उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में उनके योगदान के आधार पर संस्थानों को मान्यता देती है, ने गोरखपुर विश्वविद्यालय को शीर्ष संस्थानों में प्रमुखता से रखा है। विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 103वें और विश्वविद्यालयों में 47वें स्थान पर है।

विशेष रूप से, भौतिक विज्ञान में गोरखपुर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में 57वें और विश्वविद्यालयों में 28वें स्थान पर है। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 118वें और विश्वविद्यालयों में 92वें स्थान पर है। प्राकृतिक विज्ञान पत्रिकाओं में अपने प्रकाशनों के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 95वें और विश्वविद्यालयों में 45वें स्थान पर है।

गौरतलब है की राज्य विश्वविद्यालयों में केवल दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय अपना स्थान बनाने में सफल हुए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में 238वें और विश्वविद्यालयों में 172वें स्थान पर है। लखनऊ विश्वविद्यालय रसायन विज्ञान रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है और भौतिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान पत्रिका प्रकाशनों में निचले स्थान पर है।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में गोविवि विश्वविद्यालय के वर्तमान योगदान में रसायन विज्ञान के शोध शामिल हैं। इसके साथ ही भौतिकी पत्रिकाओं जैसे कि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटी: लेटर्स और द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में तीन प्रकाशन हैं। इसके अतिरिक्त, रसायन विज्ञान रैंकिंग में अर्मेनिक लेटर्स में एक प्रकाशन शामिल है।

महिलाओं की शिक्षा से होता है समाज का विकास : कुलपति

गोरखपीठ कुलपति प्रो. पूनम टंडन, मेयर डा. मंगलेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष अनिता श्रीवास्तव, हरिनन्दन श्रीवास्तव, मोहकर पाण्डेय एवं अन्य पदाधिकारीगण।

- प्रदेश सरकार चाहती है महिलाओं के लिए अनेक कार्यक्रम : महापौर
- सस्था के उद्देश्यों को पूरा करना मेरा धर्म : अध्यक्ष अनीता

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। एसोसिएशन ऑफ सोशलिस्ट लॉयर गोरखप